भर्ती हेतु सूचना

वरिष्ठ परामर्शदाता– जन स्वास्थ्य प्रशासन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) एक स्वायत्त निकाय है, जिसे वर्ष 2006 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम), अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत गठित किया गया है। इसे केंद्रीय स्तर पर, नीति, नियोजन एवं रणनीति विकास में सहायता करने और नीतियों एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वयन एवं क्षमता विकास हेतु राज्यों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का दायित्व सौंपा गया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन (पीएचए) प्रभाग, अच्छी गुणवत्ता वाली द्वितीयक जन स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और उपयोग को बढ़ावा देने और समुदायों में प्राथमिक सेवाओं को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से शासन, प्रबंध और स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के व्यापक ढांचे के तहत काम करता है। यह राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों/योजनाओं/कार्यक्रमों के विकास हेतु कार्य करता है और क्षमता विकास, पर्यवेक्षण और निगरानी के माध्यम से राज्यों और जिलों को कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करता है। यह जमीनी स्तर पर किए गए कार्य अनुभवों से राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों को भी जानकारी प्रदान करता है।

पीएचए प्रभाग के कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्रों में शामिल हैं:

• मॉडल स्वास्थ्य जिला पहल – यह प्रभाग, अपनी जेब से किया जाने वाला खर्च (ओओपीई) को कम करने और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए जिले के उन्नत समग्र स्वास्थ्य सूचकों के परिणाम प्राप्त करने हेतु सुनिश्चित सेवाओं का प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए चयनित जिलों के साथ कार्य करता है। इस पहल के तहत, प्रभाग चिन्हित स्वास्थ्य सेवाओं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान के लिए चिन्हित जिला अस्पताल, एसडीएच और सीएचसी, पीएचसी और उप केंद्र की श्रृंखला के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। ऐसे स्वास्थ्य केंद्र जो बुनियादी ढांचागत सुविधाओं, मानव संसाधन, गुणवत्ता और स्वास्थ्य प्रणालियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू करते हैं, उन्हें 'मॉडल स्वास्थ्य जिला' कहा जाता है और इसके फलस्वरूप वे अन्य जिलों और राज्यों द्वारा अपनाए जाने वाले मॉडल के रूप में कार्य करते हैं।

• विकेंद्रीकृत स्वास्थ्य कार्य नियोजन (डीएचएपी) – यह प्रभाग, नियोजन की इस बॉटम अप पहल में स्थानीय जन स्वास्थ्य जरूरतों और अन्य सुसंगत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी जिला स्वास्थ्य योजनाएं बनाने की क्षमता विकसित करने के लिए राज्यों और जिलों के साथ बड़े पैमाने पर कार्य करता है।

• भारतीय जन स्वास्थ्य मानक (आईपीएचएस) – यह प्रभाग हाल की कार्यक्रम पहलों के अनुरूप आईपीएचएस को अद्यतन और संशोधित करने की प्रक्रिया में है।

• द्वितीयक देखभाल सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना – यह प्रभाग, बुनियादी ढांचागत जरूरतों और तकनीकी प्रोटोकॉल के अनुरूप द्वितीयक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करने और डीएनबी/सीपीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के प्रावधान द्वारा जिला अस्पतालों को 'ज्ञान केद्र (नॉलेज हब)' के रूप में विकसित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है। यह जिला अस्पतालों के लिए भावी योजना तैयार करने में भी राज्यों का सहयोग करता है।

• राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) – यह प्रभाग एनयूएचएम के कार्यान्वयन को आरंभ करने हेतु राज्यों की क्षमता बढ़ाने के लिए सुसंगत हितधारकों के साथ कार्य करता है और विभिन्न शहरी स्वास्थ्य गतिविधियों का सहयोगी पर्यवेक्षण और निगरानी भी करता है।

• जन स्वास्थ्य संवर्ग – प्रभाग राज्यों के मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के भीतर जन स्वास्थ्य संवर्ग तैयार करने में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का सहयोग कर रहा है।

• यह प्रभाग राज्य और जिला स्तरों पर शिकायत निवारण तंत्र और मातृ एवं बाल मृत्यु समीक्षा लागू करके जवाबदेही में वृद्धि करना चाहता है।

पीएचए प्रभाग ऐसे युवा और गतिशील जन स्वास्थ्य पेशेवरों की तलाश कर रहा है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य करने के लिए अभिप्रेरित हैं। आवेदक को एक सुदृढ़ कार्य शैली और न्यूनतम पर्यवेक्षण में कार्य करने और सीमित समय सीमा के भीतर कार्य संपन्न करने की क्षमता के साथ सदा सक्रिय और स्वयं–उत्तरदायी होना चाहिए।

आवेदक को अच्छी गुणवत्ता वाली जन स्वास्थ्य सेवाओं को सबसे अधिक वंचित और सीमांत आबादी तक उपलब्ध कराने और सुलभ कराने की दृष्टि से जन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के बारे में उत्साहित होना चाहिए; और उस संकल्पना को साकार करने की दिशा में सतत और रणनीतिक तरीके से कार्य करने का उत्साह होना चाहिए।

चयनित अभ्यर्थी को राज्यों और जिलों तथा अन्य हितधारकों के साथ एक गतिशील मंच पर कार्य करने का अनूठा अवसर प्राप्त होगा। यह कार्य विभिन्न स्तरों पर जन स्वास्थ्य चुनौतियों को समझने और समस्या समाधान के लिए रणनीतियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने में गहन अनुभव प्रदान करेगा।

वरिष्ठ परामर्शदाता, जन स्वास्थ्य प्रशासन प्रभाग, एनएचएसआरसी

एनएचएसआरसी, अपने पीएचए प्रभाग को सहयोग प्रदान करने हेतु पूर्णतः संविदा आधार पर एक वरिष्ठ परामर्शदाता की भर्ती करने का इच्छुक है। वरिष्ठ परामर्शदाता, सलाहकार, पीएचए के पर्यवेक्षण और समग्र मार्गदर्शन में कार्य करेगा।

योग्यता और अनुभवः

i) अनिवार्य

- स्वास्थ्य/जन स्वास्थ्य/सामाजिक विज्ञान में स्नातक उपाधि।
- जन स्वास्थ्य, सामुदायिक स्वास्थ्य, निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा (एमपीएच, एमडी सामुदायिक चिकित्सा) या सामाजिक विज्ञान में स्नातकोत्तर या उच्चतर योग्यता।
- स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, कार्यक्रम नियोजन या कार्यान्वयन में योग्यता उपरांत कार्य करने का न्यूनतम 5 वर्षों का अनुभव।
- फील्ड स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन करने; जिला स्तरीय स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने का प्रदर्शित अनुभव।
- डीएचएपी तैयार करने और कार्यान्वयन, एमडीआर और/या सीडीआर का कार्य करने का अनुभव होना चाहिए।
- शहरी स्वास्थ्य मिशन के विविध पहलुओं की व्यापक समझ होनी चाहिए।

- कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीतियां तैयार करने और उसके लिए गतिविधियों की योजना बनाने में सक्षम हो।
- कार्यक्रम या नीतिगत स्तर पर शहरी स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर कार्य करने, निगरानी और मूल्यांकन, आंकड़ा विश्लेषण, जन स्वास्थ्य प्रशासन, शासन की क्षमता और अनुभव।
- स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर तकनीकी दिशा–निर्देश एवं दस्तावेज़ तैयार करने की योग्यता।
- निर्धारित समय सीमा के भीतर, ब्यौरों का पूर्ण ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले लिखित कार्य करने की क्षमता।
- विशेष रूप से गरीब और कमजोर आबादी के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों से संबंधित मुद्दों पर कार्य करने के लिए उत्साहित, और समस्या–समाधान के दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत कार्य करने का उत्सुक।
- तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों और जिलों की यात्रा करने का इच्छुक और सीमित समय–सीमा के भीतर कार्य संपन्न करने के लिए विविध कार्यों को एकसाथ करने की योग्यता।
- विविध प्रकार के टीम परिवेश में कार्य करने की प्रदर्शित योग्यता।
- आम तौर पर उपयोग किए जाने वाले पैकेजों, जैसे कि एमएस–वर्ड, एक्सेल, पावर पाइंट के उच्च स्तरीय ज्ञान सहित कंप्यूटर प्रवीणता।
- उत्कृष्ट मौखिक एवं लिखित संप्रेषण और प्रस्तुति कौशल, विश्लेषणात्मक और अंतर्वैयक्तिक क्षमताएं।
- गुणवत्तापूर्ण प्रकाशित कार्य या विनिर्दिष्ट सुसंगत अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए शैक्षणिक योग्यता और अनुभव में ढील दी जा सकती है।
- अधिकतम आयु 45 वर्ष (आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को)।

ii) वांछनीयः

- एमबीबीएस स्नातक उपाधि,
- जन स्वास्थ्य के सुसंगत क्षेत्रों में अनुसंधान का अनुभव,
- स्वास्थ्य प्रणालियों या जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रकाशित कार्य,
- केन्द्रीय स्तर, राज्य स्तर या तकनीकी सहायता निकायों में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रमों का पूर्व अनुभव।
- स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, कार्यक्रम नियोजन या कार्यान्वयन में कार्य करने का न्यूनतम 7 वर्षों का अनुभव।

भूमिकाएं एवं दायित्वः

- कार्य के प्रत्यायोजन, जटिल कार्यों को समय से संपन्न करने सहित परामर्शदाताओं, कनिष्ठ परामर्शदाताओं की टीम का नेतृत्व एवं प्रबंध करना, और टीम को समग्र कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मार्गदर्शन करना।
- राज्यों के स्वास्थ्य विभागों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को कार्यक्रम के कार्यान्वयन में तकनीकी सहयोग प्रदान करना।
- राज्यों में कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने के लिए आवधिक निगरानी दौरे करना, रिपोर्टें तैयार करना और राज्यों की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- कार्यक्रम के कार्यान्वयन में बाधाओं को दूर करने के लिए फील्ड भ्रमण, एचएमआईएस, त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टों से प्राप्त आंकड़ों और प्रेक्षणों का विश्लेषण और उपयोग करना।
- कार्यक्रम के विनिर्दिष्ट घटकों, यथा जोखिम मानचित्रण, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करने, व्यापक गतिविधियां आयोजित करने इत्यादि में राज्यों का मार्गदर्शन करना।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को निर्णय लेने में सहायता हेतु राज्यों के प्रस्तावों की समीक्षा करना।

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, परामर्शी प्रतिष्ठानों एवं अन्य हितधारकों की भागीदारी में कार्यक्रम के दस्तावेजों एवं दिशा–निर्देशों का मसौदा तैयार करने में नेतृत्व एवं समन्वय करना।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं कार्यान्वयन भागीदारों के साथ यथोचित स्तरों पर संपर्क स्थापित करना।
- विभिन्न संवर्गों एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निकायों और अन्य हितधारकों के स्टाफ के साथ क्षमता निर्माण एवं अभिमुखीकरण सामग्री के विकास का समन्वय करना।
- कार्यक्रम और नैदानिक स्टाफ दोनों के लिए विशिष्ट क्षमता निर्माण में राज्यों को सहयोग प्रदान करना।
- एनएचएसआरसी के अन्य प्रभागों के साथ समन्वय और सहयोग करना
- सलाहकार द्वारा समय–समय पर सौंपे गए पीएचए प्रभाग के अन्य कार्य करना।

कार्य स्थलः मुख्यालय नई दिल्ली स्थित है, किंतु आवश्यकतानुसार विभिन्न राज्यों एवं जिलों की यात्रा करनी होगी।

आयु सीमाः अधिकतम 50 वर्ष (आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को)

पारिश्रमिक सीमाः प्रतिमाह 99,000/– रु. से 1,43,000/– रु. के बीच*

* *योग्यता एवं अनुभव के आधार पर उपर्युक्त सीमा में पारिश्रमिक का निर्धारण किया जाएगा।*

आवेदन करने के लिएः अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे एनएचएसआरसी की वेबसाइट पर अपलोड किए गए भर्ती हेतु सूचना के साथ संलग्न आवेदन पत्र को डाउनलोड कर विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र को **7th February 2019** तक recruitment.pha.nhsrc@gmail.com पर ई–मेल कर दें। किसी अन्य प्रारूप में प्रस्तुत किया गया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आवेदन पत्र पर आवेदन किए गए पद का उल्लेख किया गया है, अन्यथा आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।